पत्र सूचना शाखा,
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

राज्यपाल के साथ लखनऊ के स्ववित्त पोषित इंजीनियरिंग एवं प्रबन्ध संस्थानों के अध्यक्षों के साथ आयोजित बैठक सम्पन्न

निजी इंजीनियरिंग एवं प्रबन्ध संस्थान टी0बी0 ग्रस्त एवं कुपोषित बच्चों तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों को गोद लेकर उनके उत्थान में अग्रणी भूमिका निभायें –राज्यपाल

लखनऊः 12 नवम्बर, 2020

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज राजभवन में डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के तत्वावधान में कुपोषित एवं टी0बी0 ग्रस्त बच्चों को गोद लेने हेतु प्रोत्साहन एवं लखनऊ के स्ववित्त पोषित इंजीनियरिंग एवं प्रबन्ध संस्थानों के अध्यक्षों के साथ आयोजित बैठक में कहा कि प्रदेश को टी0बी0 मुक्त राज्य बनाने में ये संस्थान टी0बी0 ग्रस्त बच्चों एवं अपने आस–पास के आंगनबाड़ी केन्द्रों को गोद लेकर उनके उत्थान में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों को मूलभूत सुविधाओं से सुसज्जित करने, बच्चों के पढ़ने एवं खेलकूद के सामान उपलब्ध कराकर गरीब बच्चों की मदद करना पुण्य का कार्य है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि संस्थान के लोग सामाजिक सरोकार के इस कार्य में अपनी सहभागिता से कुपोषित एवं टी0बी0 ग्रस्त बच्चों को निरोग एवं स्वस्थ बनाने में अपना अमूल्य योगदान देंगे।

राज्यपाल ने कहा कि कुपोषण के कारण ही अधिकांश बच्चे टी0बी0 ग्रस्त होते हैं। हमें टी0बी0 के साथ–साथ कुपोषण से भी लड़ना है। इसके लिए आवश्यक है कि हमारे बच्चे स्वस्थ पैदा हों और यह तभी सम्भव होगा जब गर्भवती महिलाओं को पोषण युक्त भोजन दिया जाय। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षकों की भूमिका के संबंध में राज्यपाल ने कहा कि अब शिक्षकों को एक विषय विशेष की शिक्षा देने के स्थान पर बहु–विषयक शिक्षक की भूमिका अदा करनी होगी। उन्होंने संस्थानों के अध्यक्षों से कहा कि अब शिक्षकों की नियुक्ति में इस पक्ष पर विशेष ध्यान दें कि नियुक्त होने वाले नये शिक्षक कई विषयों के जानकार हों।

इस बैठक में भाग लेने वाले लखनऊ के 26 तकनीकी संस्थाओं के अध्यक्षों ने कुपोषित एवं टी0बी0 ग्रस्त 10–10 बच्चे गोद लेकर इनकी देखभाल की जिम्मेदारी ली। राज्यपाल के आग्रह पर इन संस्थानों के अध्यक्षों एवं निदेशकों ने अपने आस–पास स्थित

5–5 आंगनबाड़ी केन्द्रों को गोद लेने पर सहमति प्रदान की। जिलाधिकारी लखनऊ 5–5 आंगनबाड़ी केन्द्रों की सूची इन संस्थानों को उपलब्ध करायेंगे।

इससे पहले डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के कुलपति श्री विनय पाठक ने कहा कि विश्वविद्यालय से सम्बद्ध प्रदेश के 750 तकनीकी संस्थान प्रदेश को टी0बी0 मुक्त बनाने में अहम भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। इसके लिए सभी 750 संस्थान अपने आस–पास के एक–एक गांव गोद लेंगे और वहां के टी0बी0 ग्रस्त बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारी उठायेंगे। उन्होंने कहा कि तकनीकी संस्थाओं द्वारा प्रवेश के संबंध में कंसलटेंट नियुक्त करने सम्बन्धी सलाह पर सकारात्मक रूप से विचार किया जाएगा।

इस अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव, श्री महेश कुमार गुप्ता, अपर मुख्य सचिव प्राविधिक शिक्षा श्रीमती राधा एस0 चौहान, विशेष कार्याधिकारी (शिक्षा) श्री केयूर सम्पत सहित लखनऊ के 26 स्ववित्त पोषित इंजीनियरिंग एवं प्रबन्ध संस्थानों के अध्यक्ष एवं निदेशक उपस्थित थे।

————————

ओ0पी0राय/राजभवन(71/7)